

## ४. मेरी स्मृति

- डॉ. रमाकांत श्रीवास्तव

### परिचय

**जन्म :** १९२१, रायबरेली (उ.प्र.)

**परिचय** डॉ. श्रीवास्तव जी ने १९४४ से अब तक पत्रकारिता और संपादन को व्यवसाय एवं मिशन के रूप में जिया। आपने दैनिक, साप्ताहिक, मासिक पत्रों के संपादन के अतिरिक्त हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान में प्रधान संपादक (राजपत्रित) के रूप में दर्जनों विविध विषयक संदर्भ एवं मानक ग्रंथों का संपादन किया है।

**प्रमुख कृतियाँ :** २० पुस्तकें प्रकाशित। 'बेटे को क्या बतलाओगे' (उपन्यास) आदि।

### पद्य संबंधी

प्रस्तुत कविता हाइकु विधा में लिखी गई है। यहाँ डॉ. रमाकांत श्रीवास्तव जी ने प्रत्येक हाइकु में अलग-अलग विषयों पर लेखन किया है। आपने इन रचनाओं में आम, महुआ, आकाश, तारा, पवन, मेहँदी, गाँव आदि के बारे में अपने संक्षिप्त विचार व्यक्त किए हैं। इनके अतिरिक्त झींगुर, कोयल आदि की खुशियों को भी आपने इस कविता में स्थान दिया है।



गई है पिकी  
प्रतीक्षारत पुनः  
आम्र शाखाएँ।

महुआ खड़ा  
बिछा श्वेत चादर  
किसे जोहता।

किसकी व्यथा  
छा गई बन घटा  
नभ है घिरा।

साँझ का तारा  
किसे खोजने आया  
आम निशा में।

कौन संदेशा  
ले पवन आया है  
सुनने तो दो।

रची-बसी हो  
मेहँदी की गंध में  
याद आती हो।

खुल गए हैं  
पी कहाँ पुकार से  
पृष्ठ पिछले।

कटे बिरिछ  
गाँव की दुपहर  
खोजती साया।

गाँव मुझको  
मैं ढूँढ़ता गाँव को  
खो गए दोनों ।

वर्षा की साँझ  
बजाते शहनाई  
छिपे झींगुर ।

बजाने आई  
पिकी छिप बाँसुरी  
अमराई में ।

फूल खिलता  
महक मुरझाता  
स्वप्न बनता ।

बड़े सवेरे  
उठ जातीं चिड़ियाँ  
जगाता कौन ?

आए कोकिल  
धुन वंशी की गूँजे  
बौर महके ।

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(१) पहचान कर लिखिए :

१. चहचहाने वाली
२. कूकने वाली
३. महकने वाला
४. शहनाई बजाने वाले

(२) हाइकु में निम्नलिखित अर्थ में आए शब्द :

१. पेड़
२. शाम

(३) निम्न पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

‘गाँव मुझको  
मैं ढूँढ़ता गाँव को  
खो गए दोनों ।’

### शब्द संसार

जोहना क्रि.(दे.) = प्रतीक्षा करना

बिरिछ पुं.सं.(दे.) = वृक्ष

महुआ पुं.सं.(दे.) = एक प्रकार का वृक्ष

पिकी स्त्री.सं.(सं.) = कोयल

### स्वाध्याय

\* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(१) पहचानकर लिखिए :

१. प्रतीक्षा करने वाली -----
२. संदेश लाने वाला -----
३. खो जाने वाले -----
४. खोजने आने वाला -----

(२) जोड़ियाँ मिलाइए :

अ	आ
१. गाँव की दोपहर	झींगुर
२. मेहँदी की गंध	व्यथा
३. शहनाई	छाँव
४. छाई घटा	याद